RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

» ARJUN BATCH «

कक्षा-12 | राजनीति विज्ञान

दो ध्रुवीयता का अंत

CHAPTER 01 | PART 06

LIVE | 02 SEP | 6 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

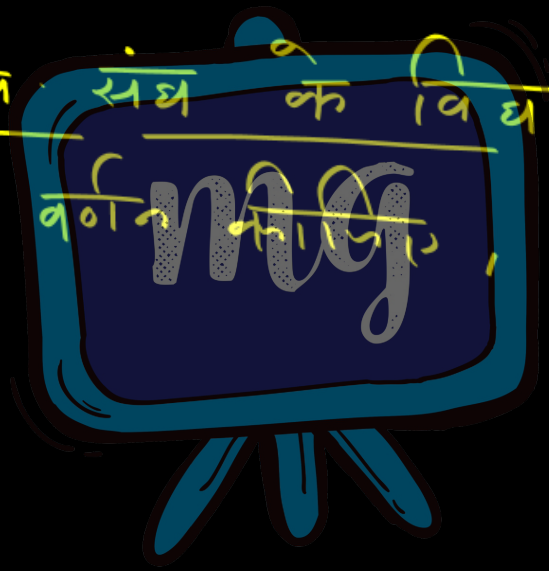
विघटन की परिणतियाँ



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

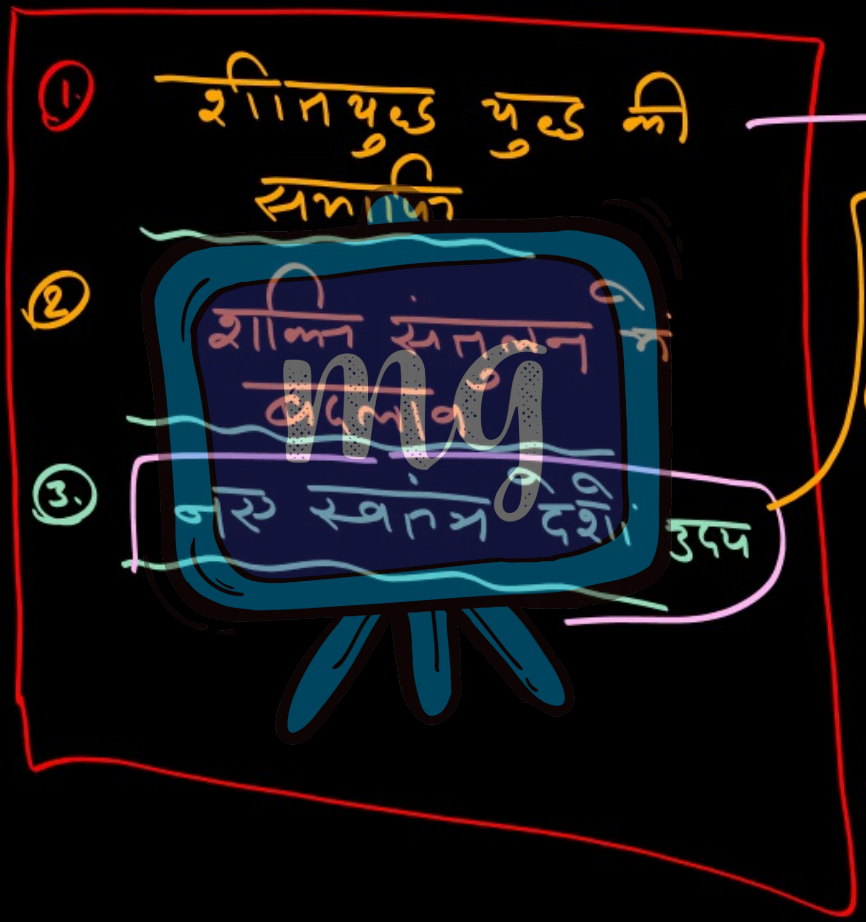
Q सोवि. संघ के विघटन के परिणाम का वर्णन कीजिए।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर



mg

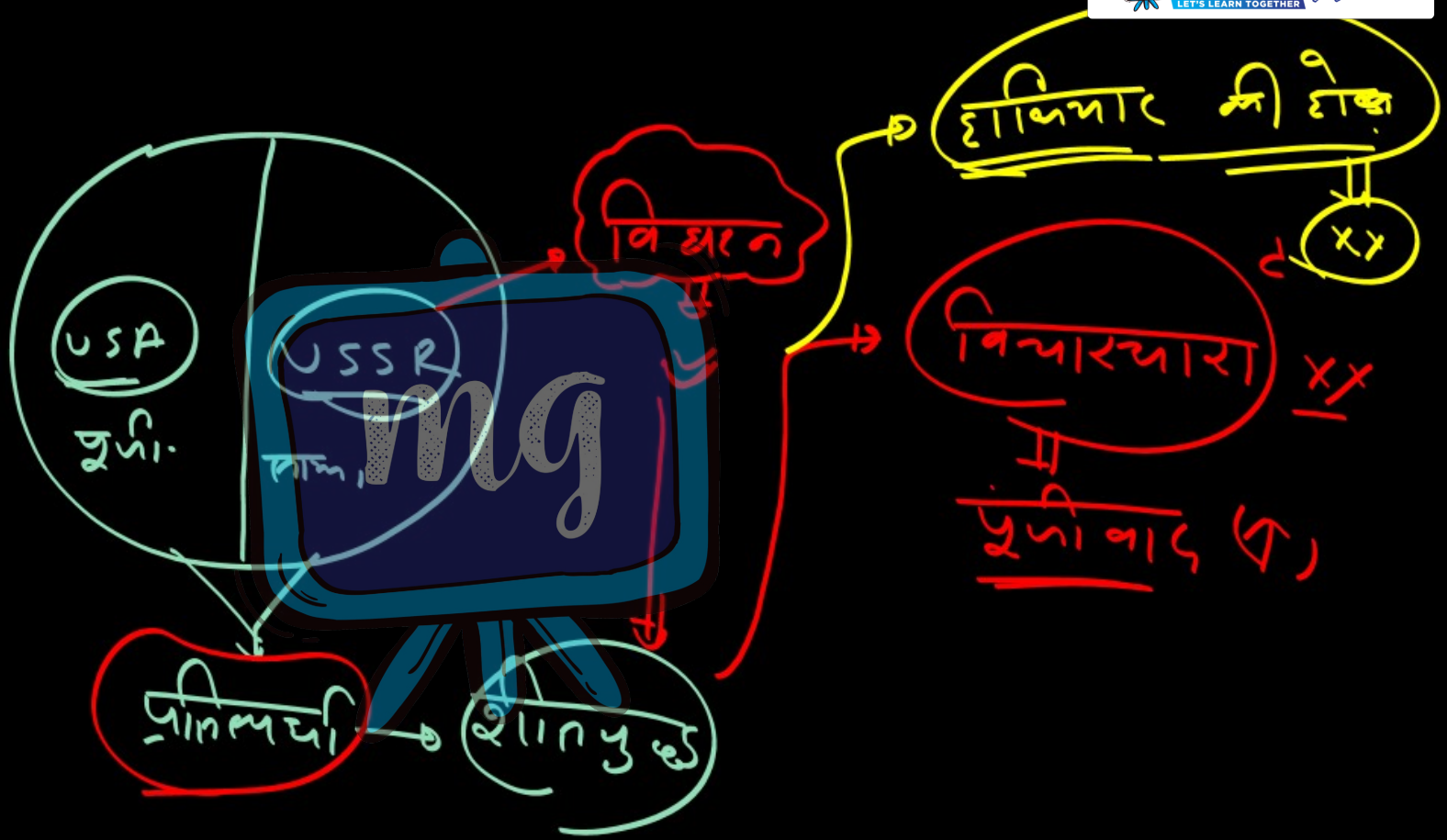
① पूर्वी यूरोप
+
② बाल्कन क्षेत्र
- ऐतिहासिक
- सांस्कृतिक
- राजनीतिक

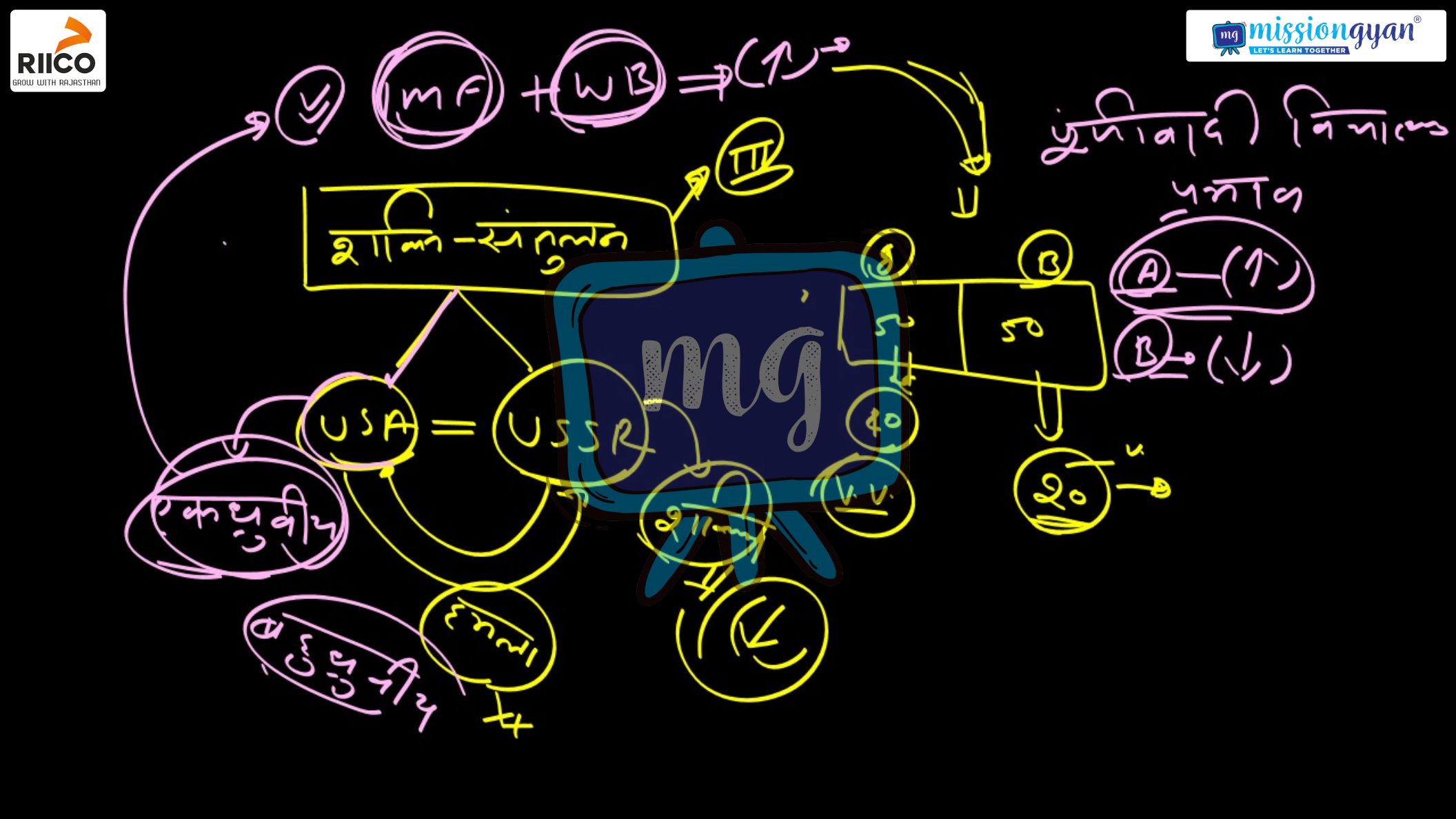
③ मध्य एशिया

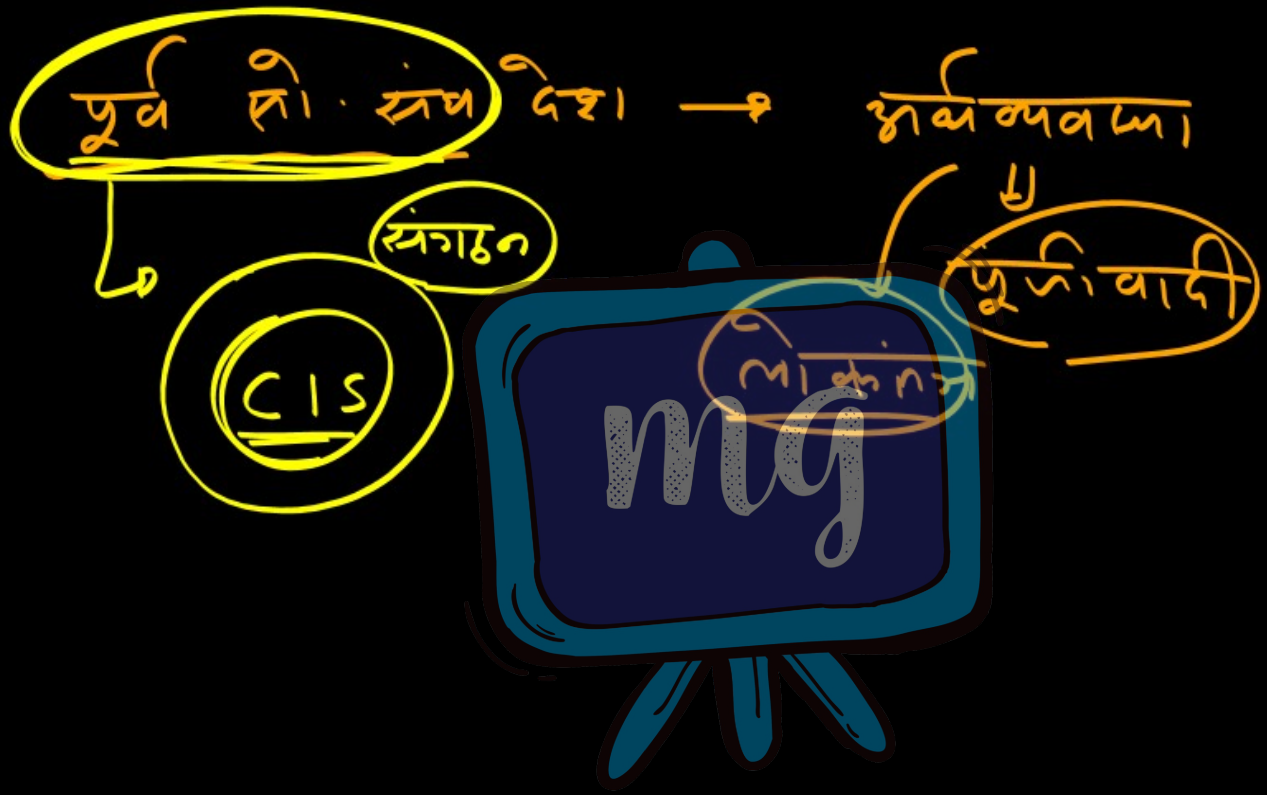
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1.



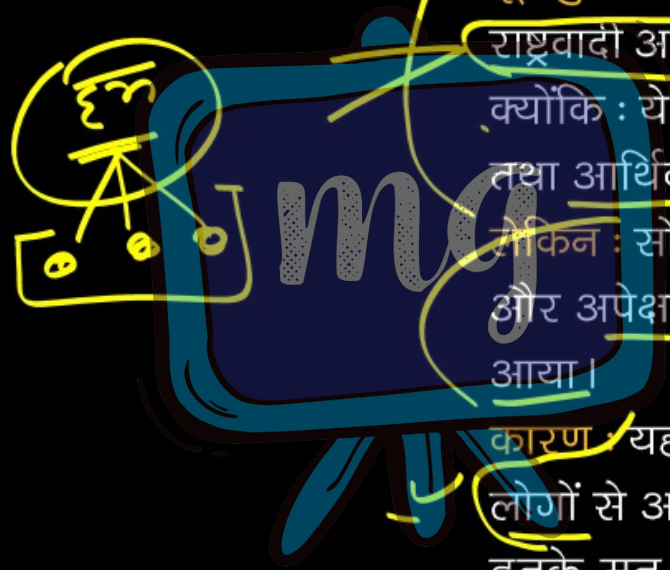

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
IV
WB
III
I
II
USA = USSR
एकध्रुवीय
बहुध्रुवीय
द्वितीय
V
V.V.
40
20
A
B
C
D
A (1)
B (1)


पूर्व सो. संघ देश।
संगठन
CIS
अर्थव्यवस्था
पूंजीवादी
mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चौकाने वाली घटना



पूर्वानुमान : सोवियत संघ के मध्य एशियाई गणराज्यों में राष्ट्रवादी आकांक्षाओं का उभार सबसे अधिक होगा।

क्योंकि : ये रूस से धार्मिक और नस्ली लिहाज से अलग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े हुए थे।

लेकिन : सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष यूरोपीय और अपेक्षाकृत समृद्ध गणराज्यों में सबसे प्रबल नजर आया।

कारण : यहां के आम लोग अपने आपको मध्य एशियाई लोगों से अलग थलग महसूस कर रहे थे।

इनके मन में यह भाव घर कर गया कि ज्यादा पिछड़े इलाके सोवियत संघ में शामिल करने में उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।



पूंजीवादी प्रणाली v/s समाजवादी प्रणाली

वैचारधारात्मक मुद्दा समाप्त

हथियारों की होड़ समाप्त

1 शीतयुद्ध का अंत

नई शांति की संभावना का जन्म

विघटन के परिणाम

2 शक्ति संबंधों में बदलाव

शीतयुद्ध के अंत के समय दो संभावनाएं

एकध्रुवीय विश्व

बची हुई एक महाशक्ति का दबादबा

बहुध्रुवीय विश्व

कई देश या देशों के समूह अन्तरराष्ट्रीय व्यवस्था में महत्वपूर्ण मोहरें बनकर उभरेंगे।

3 सोवियत खेमे के अंत से देशों का उदय

स्वतंत्र पहचान

पूर्वी यूरोप देश 'यूरोपीय संघ' से जुड़ना चाहते थे।

नाटों से जुड़े

मध्य एशियाई राष्ट्रों ने रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत रखा।

पश्चिमी देशों से भी संबंध बनाये।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

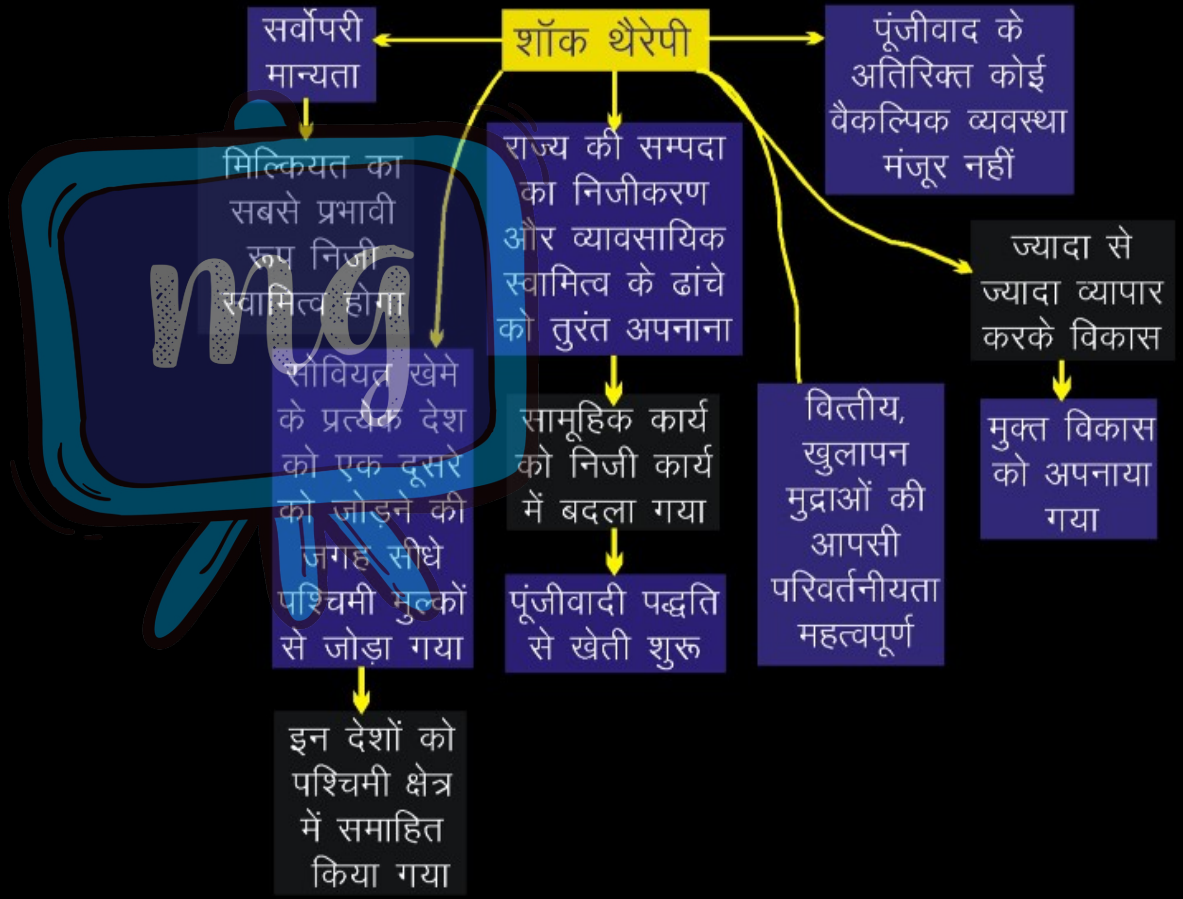
शॉक थैरेपी



रूस मध्य एशिया के गणराज्य और पूर्वी यूरोप के देशों में पूंजीवाद की ओर संक्रमण का एक खास मॉडल अपनाया।

विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निर्देशित इस मॉडल को शॉक थैरेपी कहा गया।

भूतपूर्व दूसरी दुनिया के देशों में शॉक थैरेपी की गति और गहनता अलग अलग रही लेकिन इसकी दिशा और चरित्र बड़ी सीमा तक एक जैसे थे।


शॉक थैरेपी
सर्वोपरी मान्यता
मिल्कियत का सबसे प्रभावी रूप निजी स्वामित्व होगा
सोवियत खेमे के प्रत्येक देश को एक दूसरे को जोड़ने की जगह सीधे पश्चिमी मुल्कों से जोड़ा गया
इन देशों को पश्चिमी क्षेत्र में समाहित किया गया
राज्य की सम्पदा का निजीकरण और व्यावसायिक स्वामित्व के ढांचे को तुरंत अपनाना
सामूहिक कार्य को निजी कार्य में बदला गया
पूंजीवादी पद्धति से खेती शुरू
पूंजीवाद के अतिरिक्त कोई वैकल्पिक व्यवस्था मंजूर नहीं
वित्तीय, खुलापन मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता महत्वपूर्ण
ज्यादा से ज्यादा व्यापार करके विकास
मुक्त विकास को अपनाया गया

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शॉक थैरेपी के परिणाम

आर्थिक परिणाम :-

- 'शॉक थैरेपी' से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस।
- रूस में पूरा का पूरा राज्य नियंत्रित ढांचा चरमरा उठा।
- आर्थिक ढांचे के पुनर्निर्माण का ये कार्य सरकार की बजाय बाजार की ताकतें कर रही थी, इसलिए यह कदम सभी उद्योगों को मटियामेट करने वाला साबित हुआ।
- रूसी मुद्रा रूबल में गिरावट।
- मुद्रास्फीति इतनी ज्यादा बढ़ी कि लोगों की जमापूंजी जाती रही।
- सामूहिक खेती की प्रणाली समाप्त लोगों के सामने अब खाद्यान्न संकट।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

